Absender:

An den Präsidenten
der Islamischen Republik Iran
Seine Exzellenz Hassan Ruhani

Botschaft des Iran
Podbielskiallee 67

D-14195 Berlin

Exzellenz,

ich bitte um die sofortige und bedingungslose Freilassung der im Iran inhaftierten Christen Anousheh Rezabaksh und Soheil Zagarzadeh Sani. Am 20. Februar holten Geheimdienst-Mitarbeiter der Revolutionsgarden die Mutter Anousheh, die Veronika genannt wird, und ihren Sohn, der den Rufnamen Augustin trägt, aus ihrer Wohnung in Urmia, der Hauptstadt der iranischen Provinz West-Aserbaidschan, heraus und führten sie an einen bislang unbekannten Ort. Die Beamten führten zudem eine Hausdurchsuchung durch. Veronika und ihr Sohn hatten sich im vorigen August in Istanbul katholisch taufen lassen.

Die Islamische Republik Iran hat den Internationalen Pakt über bürgerliche und politische Rechte ratifiziert, der auch Religionsfreiheit garantiert. Eindringlich bitten wir Sie, sich sofort für die Freilassung der beiden und für ihre Sicherheit einzusetzen.

Hochachtungsvoll

Christen aus ....., die für **Anousheh Rezabaksh und Soheil Zagarzadeh Sani** aus dem Iran eintreten.

| **Name** | **Vorname** | **Ort, Straße** | **Unterschrift** |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

Christen aus ....., die für **Anousheh Rezabaksh und Soheil Zagarzadeh Sani** aus dem Iran eintreten.

| **Name** | **Vorname** | **Ort, Straße** | **Unterschrift** |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |